Clearance of U.P. Tubewell Projects

962. SHRI SANGH PRIYA GAUTAM : Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state :

(a) whether the Government of Uttar Pradesh has submitted 3rd U.P. Tubewell Projects for assistance of the World Bank;

(b) if so, whether this Project has been submitted to World Bank, if not, the reasons therefor;

(c) if so, what is the response of the World Bank; and

(d) whether Government would pursue it with World Bank for its early clearance ?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI V. C. SHUKLA) : (a), (b) and (d) YES, Sir.

(c) The World Bank has raised a number of issues,' *inter alia,* relating to performance of tubewells installed with World Bank assistance earlier, farmer's investment in shallow wells and transfer of ownership of existing deep tubewells to farmers groups, Water Users' Associations or Panchayats, very high subsidies on rurall electricity and the danger of over exploitation of ground water. The World Bank has also suggested that officers from Government of Uttar Pradesh should visit other States in Northern and Eastern India and Bangladesh to get experience of passing over public tubewells to private or community ownership. The World Bank is not satisfied with the steps taken by the Government of Uttar Pradesh to resolve the issues. The Government of Uttar Pradesh has given point-wise clarifications on the issues raised by the World Bank on 5th November, 1992.

हरियाणा के स्वैच्छिक संगठनों को अनुदान

963. **श्री महेन्द्र सिंह साठर** : क्या कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कल्याण मंत्रालय के अधीन स्वैच्छिक और समाज सेवी संगठनों द्वारा अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं; यदि हां, तो केन्द्रीय सरकार द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान इन संस्थाओं को दिए गए अनुदानों का राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ख) इन संगठनों को अनुदान देने के मामले में सरकार द्वारा क्या-क्या मानदण्ड अपनाए गए हैं; हरियाणा में ऐसी संस्थाओं की संख्या कितनी है तथा पिछले तीन वर्षों के दौरान उन्हें वर्ष-वार कितना-कितना अनुदान दिया गया है; और

(ग) जिन आवेदन पत्रों को अपूर्ण पाया आवेदन रद्द कर दिए गए या जिन्हें अनुदान नहीं दिए गए तथा इसके क्या कारण हैं ?

कल्याण मंत्री (श्री सीताराम केसरी) : (क) जी, हां । एक विवरण- सभा पटल पर रख दिया गया है । **(नीचे देखिए)**

(ख) एक विवरण-II सभा पटल पर रख दिया गया है । **(नीचे देखिए)**

(ग) जिन आवेदन पत्रों को अपूर्ण पाया जाता है उन्हें संबंधित संगठन को हमारी टिप्पणियों के साथ वापस कर दिया जाता है । ऐसे आवेदन पत्रों का कोई रिकार्ड नहीं रखा जाता है ।

विवरण–1

हरियाणा में स्वयंसेवी संगठनों को सहायता

क्रम सं०	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रदत्त अनुदान 1989–90 रु०	1990–91 रु०	1991–92 रु०
1	2	3	4	5
1.	आन्ध्र प्रदेश	48,44,004	80,99,873	1,04,79,099
2.	अरुणाचल प्रदेश	4,88,000	25,81,000	33,41,000